www.rpcau.ac.in

आरपीसीएयू ई-न्यूजलेटर

डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, समस्तीपुर, बिहार-848 125

खंड–5 अंक–08 अगस्त –2024

इस अंक में...

- एक वार्तालाप P. 2
- डेमिस्टीफाइंग इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स P. 3
- 17वीं शोध परिषद बैठक P. 3
- ज्ञान संसाधन केंद्र P. 4
- 4 दिवसीय मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण P. 6
- लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण P.7
- गणमान्य व्यक्तियों का विश्वविद्यालय में आगमन P. 7
- सेवानिवृति समारोह P. 8

माननीय कुलपति महोदय का सन्देश

प्रिय पाठकों,

मुझे डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के ई- न्यूज़लेटर के अगस्त 2024 संस्करण को प्रस्तुत करते हुए अपार ख़ुशी हो रही है। इसमें उल्लेखित कृषि शिक्षा, अनुसंधान और सामुदायिक विकास से सम्बंधित कार्यक्रमों एवं उपलब्धियों से हमारी उत्कृष्टता एवं प्रतिबद्धता प्रतिबिंबित होती है।

हमें दिनांक 4-5 जुलाई, 2024 को भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री माननीय श्री रामनाथ ठाकुर जी की मेज़बानी करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उनका यह दौरा विश्वविद्यालय समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर रहा। अपने संबोधन में माननीय मंत्री ने छोटे और सीमांत किसानों की ज़रूरतों को पूरा करने वाली तकनीकों के विकास की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने मृदा स्वास्थ्य पर रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग के हानिकारक प्रभावों पर भी प्रकाश डाला और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए व्यापक मृदा परीक्षण के महत्व पर बल दिया। उनके इन शब्दों ने हमें महत्वपूर्ण क्षेत्रों में हमारे शोध प्रयासों को और व्यापकता एवं गति देने हेतु एक स्पस्ट दिशा निर्देश एवं मार्गदर्शन का अवसर दिया है। माननीय मंत्री ने देश के केंद्रीय विश्वविद्यालयों के बीच भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (IIRF) में 7वां स्थान हासिल करने के लिए विश्वविद्यालय को बधाई दी और पूसा की शानदार विरासत को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में अपने पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।

दिनांक 8 जुलाई, 2024 को हमने "डेमिस्टीफाइंग इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स " शीर्षक से एक कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें डॉ. सुधीर कोचर, पूर्व सहायक महानिदेशक (आईपीआर), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली और डॉ. संजीव सक्सेना, पूर्व सहायक महानिदेशक (आईपीएंडटीएम, और पीएमई), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली सहित प्रमुख विषय विशेषज्ञ एक साथ आए, जिन्होंने कृषि क्षेत्र में बौद्धिक संपदा की जटिलताओं पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की।

हमने दिनांक 10-12 जुलाई, 2024 के दौरान 17वीं अनुसंधान परिषद (खरीफ) के बैठक का भी आयोजन किया, जिसमें 29 शोध परियोजनाओं को प्रस्तुत किया गया और उनकी समीक्षा की गई, इसके अलावा तीन पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। विभिन्न परियोजनाओं के प्रधान अन्वेषकों (पीआई) ने अपने शोध कार्य की प्रगति रिपोर्ट और भविष्य की योजनाओं को प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में नवसारी कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. ए. आर पाठक, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय धारवाड़ के पूर्व कुलपति डॉ. एम. बी चेट्टी और देव संस्कृति विश्वविद्यालय (डीएसवीवी) के पूर्व कुलपति और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व सहायक महानिदेशक डॉ. एसडी शर्मा सहित कई गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस कार्यक्रम का आयोजन कृषि समुदाय के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने वाले अनुसंधान के प्रति हमारी निरंतर प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

दिनांक 22 जुलाई से 27 जुलाई, 2024 तक आयोजित "विश्वविद्यालय कर्मियों के लिए प्रशासनिक और वित्तीय प्रबंधन" पर छह दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। जिसमे इस क्षेत्र के प्रख्यात विशेषज्ञों की सक्रिय भागीदारी एवं प्रशिक्षण हमारे विश्वविद्यालय कर्मचारियों के शासन और वित्तीय कौशल को बढ़ाने में सहायक रहा। दिनांक 25 जुलाई, 2024 को अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (कृषि में महिलाएँ) के अंतर्गत ज्ञान संसाधन केन्द्र का उद्घाटन, कृषि महिलाओं को सशक्त बनाने के हमारे मिशन में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह केंद्र, कस्टम हायरिंग सेंटर के साथ-साथ, कृषि को महिलाओं के अनुकूल बनाने और यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा कि महिलाओं को कृषि क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक संसाधनों और सहायता तक पहुँच प्राप्त हो।

दिनांक 30 जुलाई, 2024 को अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना-कृषि में महिलाओं के अंतर्गत 'लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण' पर एक दिवसीय विचार-मंथन-सह-कार्यशाला सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. विनीता शर्मा और डॉ. रेंगालक्ष्मी आर जैसे विशेषज्ञों के व्याख्यान काफी ऊर्जावान व प्रेरक रहे, जिन्होंने प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और कृषि में लैंगिक दृष्टिकोण के महत्व पर जोर दिया।

इन उपलब्धियों पर काम जारी रखते हुए, मैं एक समृद्ध और उज्जवल भविष्य की कृषि के सपने को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाने के लिए अटूट समर्पण और कड़ी मेहनत के लिए पूरे विश्वविद्यालय परिवार को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ।

जय हिन्द !

(डॉ. पी. एस. पाण्डेय)

शिक्षा एवं शैक्षिक गतिविधियाँ

➢ दिनांक 13 जून को, नवसारी कृषि विश्वविद्यालय और जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. ए.आर. पाठक ने कृषि व्यवसाय, विपणन और आवश्यक कौशल पर बहुमूल्य जानकारी साझा की। उनके भाषण ने लगभग 70 छात्रों को कृषि में नवाचार के अभिनव प्रयोगो के लिए प्रेरित किया।

➢ **चौधरी चरण सिंह राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान के पूर्व वरिष्ठ निदेशक डॉ. रमेश मित्तल के नेतृत्व में "आइडिया क्रिएशन"** पर एक ऑनलाइन वेबिनार 19 जुलाई, 2024 को आयोजित किया गया, जिसमें 45 छात्रों ने भाग लिया। 31 जुलाई को "हाउ टु सेल ए न्यू प्रोडक्ट इन द मार्केट" पर एक और ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किया गया, जिसमें ओगिल्वी एंड माथर के पूर्व राष्ट्रीय क्रिएटिव डायरेक्टर श्री राज कुमार झा वक्ता के रूप में शामिल हुए।

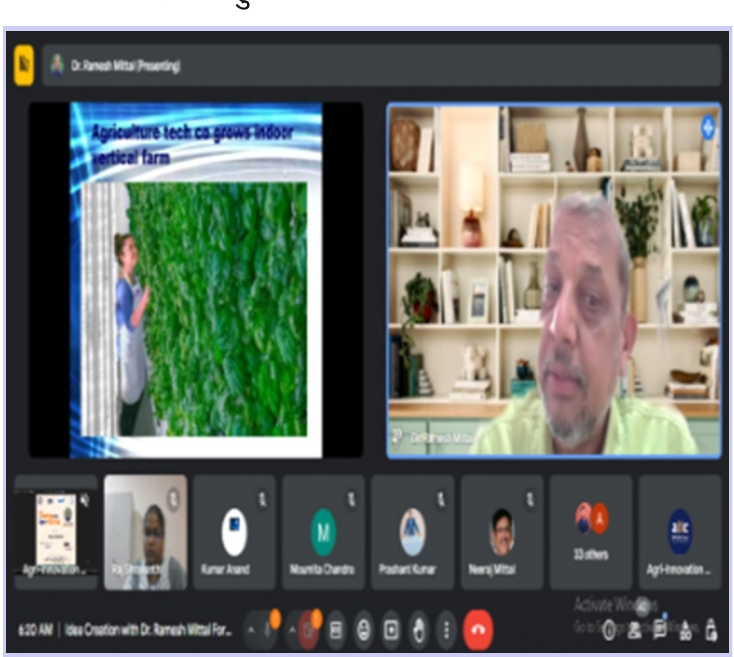

➢ **दिनांक 23 जुलाई, 2024 को कृषि व्यवसाय एवं ग्रामीण प्रबंधन संस्थान** में डीजीएम प्रकाश सिंह और धानुका एग्रीटेक लिमिटेड के एसएमई संजीब कुमार पांडा के साथ एक वार्तालाप आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों को कॉर्पोरेट करियर के बारे में जानकारी दी गई।

➢ **प्रसार शिक्षा विभाग, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली** ने दिनांक 24 जुलाई से 30 सितंबर, 2024 तक महाविद्यालय परिसर में 7वें सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए एक सप्ताह का सामान्य अभिविन्यास एवं ऑन-कैंपस प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया तथा उन्हें 31 जुलाई से 24 सितंबर, 2024 तक आठ सप्ताह के लिए हरिहरपुर, पिपराकोठी, तुर्की, खोदावंदपुर एवं बिरौली के विज्ञान केन्द्रो के साथ रावे के ग्रामीण संलग्नता कार्यक्रम के तहत जोड़ा गया।

अनुसंधान गतिविधियाँ

➢ **परिशुद्ध कृषि और बागवानी पर राष्ट्रीय समिति के कार्यकारी निदेशक का कृषि अभियंत्रण एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय भ्रमण** इंजी. आनंद जाम्ब्रेरे, कार्यकारी निदेशक, राष्ट्रीय परिशुद्ध कृषि एवं बागवानी समिति (एनसीपीएएच) डीएसीएंडएफडब्ल्यू, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली ने कोठिया गांव, समस्तीपुर में स्थापित एग्री-आईओटी डिवाइस और पीएफडीसी इकाई, आरपीसीएयू, पूसा में विकसित वर्टिकल फार्मिंग सिस्टम की निगरानी के लिए दिनांक 8-9 जुलाई, 2024 के दौरान रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा का दौरा किया।

➢ **इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन** रा.प्र.के.कृ.वि. के अनुसंधान निदेशालय ने दिनांक 8 जुलाई 2024 को विद्यापति सभागार, पूसा, बिहार में डेमिस्टीफाइंग इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स शीर्षक से एक दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स (आईपीआर) की व्यापक समझ प्रदान की गई और इसमें सहायक महानिदेशक (आईपीआर), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली और डॉ. संजीव सक्सेना, पूर्व सहायक महानिदेशक (आईपीएंडटीएम, और पीएमई), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली नई दिल्ली जैसे प्रतिष्ठित वक्ताओं ने भाग लिया। कार्यशाला में कॉपीराइट सुरक्षित करने की प्रक्रिया, बौद्धिक संपदा का प्रबंधन और डीओपीटी और भा.कृ.अनु.प., द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने सहित प्रमुख विषयों को शामिल किया गया। कार्यशाला में 300 से अधिक प्रतिभागियों ने व्यक्तिगत और ऑनलाइन दोनों तरह से भाग लिया।

➢ **रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा की 17वीं शोध परिषद बैठक आयोजित** रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा की 17वीं अनुसंधान परिषद बैठक (खरीफ 2024) दिनांक 10 से 12 जुलाई 2024 तक सफलतापूर्वक आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन नवसारी कृषि विश्वविद्यालय, गुजरात के पूर्व कुलपति डॉ. ए.आर. पाठक, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़ के पूर्व कुलपति डॉ. एम.बी. चेट्टी और देव संस्कृति विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति और और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व सहायक महानिदेशक डॉ. एस.डी. शर्मा, की गरिमामयी उपस्थिति रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा के माननीय कुलपति द्वारा किया गया। बैठक के दौरान कुल 29 शोध परियोजनाएं प्रस्तुत की गईं और उन पर चर्चा की गई। इनमें से 13 विश्वविद्यालय वित्त पोषित/बाह्य वित्त पोषित परियोजनाएं थीं, और 16 भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना द्वारा वित्त पोषित थीं। संबंधित प्रमुख अन्वेषकों ने अपने द्वारा किये जा रहे शोध कार्य पर विस्तृत प्रस्तुतियाँ दीं, जिसके बाद गहन चर्चाएँ हुईं और शोध परिषद के सदस्यों से रचनात्मक प्रतिक्रियाएँ प्राप्त हुईं।

प्रसार गतिविधियाँ

➢ **अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना -कृषि में महिलाएँ:** माननीय कुलपति डॉ. पी.एस. पाण्डेय ने अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना- कृषि में महिलाएँ के अंतर्गत समस्तीपुर जिले के गाँव-गंगापुर में 25 जुलाई, 2024 को "ज्ञान संसाधन केंद्र" का उद्घाटन किया। उन्होंने ज्ञान संसाधन केंद्र के संचालन और महिला किसान समुदाय को इसके लाभों के लिए अपने विचारपूर्ण और बौद्धिक अंतर्दृष्टि प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान, बिहार सरकार के चतुर्थ कृषि रोड मैप के तहत "कृषि ज्ञान वाहन" ने तकनीकी वीडियो-फिल्मों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं के बीच कृषि ज्ञान का प्रसार किया।

➢ **कृषि व्यवसाय एवं ग्रामीण प्रबंधन संस्थान, रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा** ने दिनांक 23 जुलाई 2024 को जे.पी. शिक्षा प्रशिक्षण महाविद्यालय, समस्तीपुर में "बिहार स्टार्टअप नीति के तहत स्टार्टअप शुरू करने पर जागरूकता" और दिनांक 26 जुलाई 2024 को राजकीय शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, समस्तीपुर "बिहार स्टार्टअप नीति के साथ व्यवसाय कैसे शुरू करें" नामक शीर्षक से 2 आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए।

➢ **आधार विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय:** विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस की पूर्व संध्या के व्याख्यान श्रृंखला में अपना तीसरा व्याख्यान आयोजित किया। महाविद्यालय में डॉ. ए.के. हांडा, प्रमुख वैज्ञानिक, कृषि वानिकी, भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान, झांसी ने 27 जुलाई 2024 को "प्रकृति के संरक्षण में वानिकी" पर वार्ता प्रस्तुत किया। अधिष्ठाता डॉ. अमरेश चंद्रा की अध्यक्षता में, इस कार्यक्रम में लगभग 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें आधार विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय और पीडीडीयूसीएचएफ के संकाय सदस्यों के साथ-साथ छात्र छात्राओं ने भी भाग लिया।

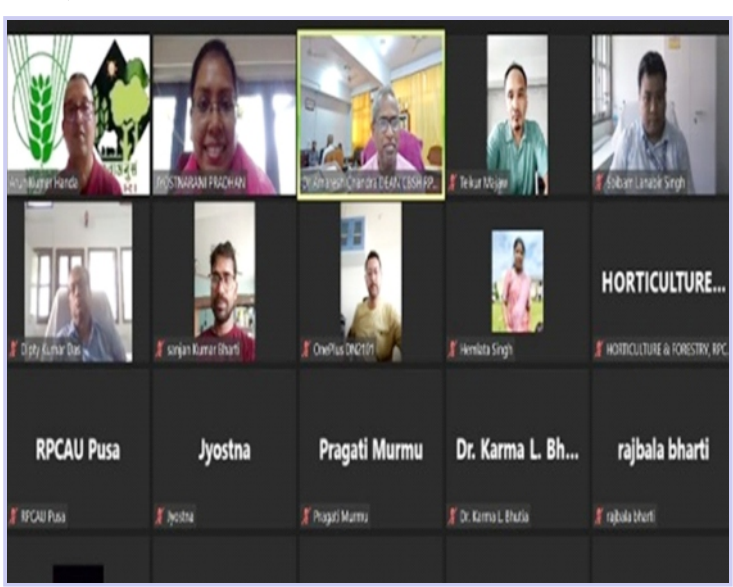

प्रशिक्षण/कार्यशाला/सेमिनार/जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

➢ **कृषि विज्ञान केन्द्र, तुर्की** ने एमएसएमई मंत्रालय और कुढ़नी एग्रो एफपीओ के सहयोग से कुढ़नी ब्लॉक के सकरी गांव में एफपीओ सदस्यों की बैठक सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के माननीय राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी ने की। कार्यक्रम में श्री केदार नाथ गुप्ता, माननीय मंत्री पंचायती राज, बिहार सरकार, श्री राम सूरत राय, पूर्व राजस्व और भूमि सुधार मंत्री, बिहार सरकार, श्री रमेश कुमार यादव उप निदेशक, एमएसएमई, भारत सरकार, श्री राम प्रवेश सिंह, निदेशक कुढ़नी एफपीओ, सकरी भी मौजूद रहे। उन्होंने दिनांक 10-07-2024 को कृषि विज्ञान केन्द्र परिसर में मशरूम उत्पादन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण बैठक भी आयोजित किया, जिसमें कुल 25 ग्रामीण युवाओं ने भाग लिया।

➢ **बिहार सरकार ने बिहार के सभी पुलिस स्टेशनों पर तैनात पुलिस/एसआई को ड्रोन पायलट के रूप में प्रशिक्षित** करने के लिए रिमोट पायलट ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन (आरपीटीओ), कृषि अभियंत्रण एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा को संपर्क किया है। इस केंद्र के 25वें बैच में प्रशिक्षित 5 पुलिस कर्मियों और 26वें बैच में भी इतनी ही संख्या में पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

➢ **डॉ. कुमारी शिप्रा और डॉ. सुधानंद प्रसाद लाल ने "अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना -कृषि में महिलाये",** विषय पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर के तहत 18 से 20 जुलाई 2024 तक "आलू प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन पर क्षमता निर्माण" पर तीन दिवसीय मानव संसाधन विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम (कृषि महिलाओं के लिए) का सह-आयोजन किया।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, परसौनी** ने दिनांक 10 जुलाई 2024 को तिलहन पर क्लस्टर फ्रंट लाइन प्रदर्शन (सीएफएलडी) के तहत सोयाबीन की खेती पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने 22-26 जुलाई 2024 तक "मशरूम के प्रकार और उनकी खेती की तकनीक" पर पांच दिवसीय ग्रामीण युवा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें कुल 27 किसानों और कृषि महिलाओं ने भाग लिया। उन्होंने पूर्वी चंपारण के हरसिद्धि ब्लॉक में गन्ने के खेतों में कृषि-ड्रोन का उपयोग करके कृषि रसायनों के छिड़काव का भी प्रदर्शन किया तथा जिला कृषि कार्यालय, मोतिहारी, पूर्वी चंपारण द्वारा आयोजित कृषि यंत्रीकरण सह किसान मेला 2024-25 में श्री राधा मोहन सिंह, माननीय सांसद, मोतिहारी और श्री प्रमोद कुमार, माननीय विधायक, मोतिहारी की गरिमामयी उपस्थिति में व्याख्यान दिया।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, सीवान** ने सीआरवी सिकटिया, महाराजगंज, सीवान में जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम के तहत "खरीफ फसलों में खरपतवार प्रबंधन" पर और मिरजुमाला गांव में जलवायु अनुकूल कृषि पर राष्ट्रीय नवाचार (एनआईसीआरए) परियोजना के तहत "धान की जलवायु अनुकूल किस्मों" पर 25/07/2024 और 26/07/2024 को प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

➢ **कृषि विज्ञान केन्द्र, माधोपुर ने 4 दिवसीय मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।** कार्यक्रम में जीवित मधुमक्खी कॉलोनियों का प्रदर्शन, कृत्रिम आहार तैयार करना और उसे खिलाना तथा शहद निकालने वाले यंत्रों का प्रदर्शन शामिल रहा । इसके अलावा इस केन्द्र ने वाणिज्यिक डेयरी फार्मिंग पर 5 दिवसीय ग्रामीण युवा (आरवाई) प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया, जिसमें कुल 37 प्रतिभागियों को वैज्ञानिक और तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ वाणिज्यिक डेयरी फार्मिंग के लिए आवश्यक कौशल प्रदान किए गए।

➢ **कृषि विज्ञान केन्द्र, गोपालगंज** ने दिनांक 23 से 27 जुलाई, 2024 तक ग्रामीण युवाओं के लिए "बकरी उत्पादन" पर एक व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कुल 34 प्रशिक्षुओं ने नस्लों, उत्पादन मापदंडों, प्रबंधन सिद्धांतों, आवास, भोजन, रोग की रोकथाम उपचार और नियंत्रण के साथ-साथ बकरी पालन पर राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में सीखा। इसके अलावा इस केन्द्र ने मक्का, अरहर और धान आदि की उन्नत खेती के तरीकों पर 150 किसानों के लिए एक और प्रशिक्षण भी आयोजित किया। इसी तरह, जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम के तहत, 7 और 11 जुलाई, 2024 को खेममटिहिन्या और तिवारीमटिहिनिया गाँवों में "बारहमासी हरा चारा" उत्पादन पर दो अभ्यासशील किसान (पीएफ) प्रशिक्षण कार्यक्रम और 9 जुलाई को "पशुधन के लिए बेहतर आश्रय प्रबंधन" पर एक परिसर प्रशिक्षण आयोजित किया। जुलाई 2024 में 18 किसानों के बीच 1.53 हेक्टेयर में मौसमी चारा सोरघम (पंत चरी 1) पर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन भी आयोजित किया गया और 5 जुलाई, 2024 को गोपालगंज जिले के किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) की एक बैठक बुलाई गई, इस केन्द्र के वैज्ञानिकों और कर्मचारियों के साथ जिले के अधिकारियों जैसे डीडीएम, नाबार्ड, डीएओ, गोपालगंज, क्षेत्रीय और वरिष्ठ प्रबंधक, उत्तर बिहार ग्रामीण बैंक और अध्यक्ष, जिला सहकारी बैंक ने भाग लिया।

➢ **केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय का दर्जा मिलने के बाद पहली बार "विश्वविद्यालय कर्मियों के लिए प्रशासनिक और वित्तीय प्रबंधन"** पर छह दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का आयोजन माननीय कुलपति डॉ पी एस पांडे की अध्यक्षता में किया गया। इसमें इस क्षेत्र के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों कन्हैया चौधरी, संयुक्त सचिव (सेवानिवृत्त), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद; श्री रवि चौहान, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन/प्रशासन), एनएचएआई; श्री नफे सिंह, उप निदेशक (सेवानिवृत्त), वित्त मंत्रालय, भारत सरकार; श्री कुमार राजेश, निदेशक और मास्टर ट्रेनर, भ.कृ.अनु.प.; श्री संजीव कुमार सिन्हा, सीएओ (सीनियर ग्रेड), आईएआरआई; श्री राजीव कुमार झा, पूर्व संकाय, आईएसटीएम और श्री एस के पाठक, संयुक्त सचिव (वित्त), भा.कृ.अनु.प. द्वारा तकनीकी एवं व्यावहारिक सत्र आयोजित किया गया। प्रशिक्षण सत्र का उद्देश्य केंद्र सरकार के संस्थानों के साथ-साथ विश्वविद्यालय में प्रशासन की मुख्य विशेषताओं, स्थापना और वित्त नियमों के विभिन्न प्रावधानों आदि के बारे में बताना था। समापन सत्र के दौरान, माननीय कुलपति ने अपने सम्बोधन में कहा कि किसी संगठन की

उत्पादकता बढ़ाने के लिए उच्च स्तर की योग्यता आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि यह विश्वविद्यालय कर्मियों के लिए एमडीपी, ईडीपी और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की श्रृंखला की शुरुआत है।

➢ **कृषि में महिलाओं पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना के अंतर्गत 'लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण'** विषय पर एक दिवसीय विचार-मंथन-सह-कार्यशाला सत्र का उद्घाटन माननीय कुलपति डॉ. पी.एस. पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के समानता सशक्तिकरण और विकास के लिए विज्ञान (SEED) की पूर्व प्रमुख, प्रख्यात विशेषज्ञ डॉ. विनीता शर्मा ने "प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में लैंगिक परिपेक्ष्य" विषय पर व्याख्यान दिया तथा एम. एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन, चेन्नई की इकोटेक्नोलॉजी निदेशक डॉ. रेंगालक्ष्मी आर ने "कृषि में लैंगिक मुख्यधारा" विषय पर व्याख्यान दिया।

विशेष उपलब्धि/मान्यता

डॉ रत्नेश कुमार झा, प्राध्यापक एवं प्रधान अन्वेषक (जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम) और डॉ सुधानंद प्रसाद लाल, सहायक प्राध्यापक ने सपोर्ट फाउंडेशन द्वारा 26-7-24 को लक्ष्मी राजदेव इंटर कॉलेज, पियर, बंदरा, मुजफ्फरपुर, बिहार, में 'सेमिनार सह पुरस्कार समारोह में' "संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य: मुद्दे और चुनौतियां" विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

गणमान्य व्यक्तियों का विश्वविद्यालय में आगमन

इं. आनंद ज़ाम्ब्रेरे

कार्यकारी निदेशक, परिशुद्ध कृषि और बागवानी राष्ट्रीय समिति, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली ने
दिनांक 8-9 जुलाई, 2024 के दौरान विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

डॉ. सुधीर कोचर

पूर्व सहायक महानिदेशक (आईपीआर), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली ने
दिनांक 8 जुलाई 2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

डॉ. संजीव सक्सेना

पूर्व सहायक महानिदेशक (आईपीएंडटीएम और पीएमई), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने
दिनांक 8 जुलाई 2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

डॉ. ए. आर. पाठक

पूर्व कुलपति, नवसारी कृषि विश्वविद्यालय, गुजरात ने
दिनांक 10 से 12 जुलाई 2024 के दौरान विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

डॉ. एम. बी. चेट्टी

कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़ के पूर्व कुलपति ने
दिनांक 10 से 12 जुलाई 2024 के दौरान विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

डॉ. एस. डी. शर्मा

देव संस्कृति विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति और पूर्व कुलपति और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व सहायक महानिदेशक ने
दिनांक 10 से 12 जुलाई 2024 के दौरान विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

सेवानिवृति समारोह

➢ दिनांक 31 जुलाई 2024 को विश्वविद्यालय की सेवा से सेवानिवृत होने वाले निम्नलिखित विश्वविद्यालय कर्मचारियों का विदाई समारोह माननीय कुलपति महोदय की उपस्थिति में आयोजित किया गया।

1. डॉ. डी. के. द्विवेदी
   प्राध्यापक, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली
2. श्री राम कुमार
   टी.ओ.(टी-5),आर.जी.एम.माधोपुर
3. श्री कुमार कौशल किशोर
   सहायक, अनुसंधान निदेशालय, पूसा
4. श्री सुधीर कुमार
   सहायक, केला अनुसंधान केंद्र, गोरौल, वैशाली
5. श्री रामाशंकर राय
   एसएसएस, गन्ना अनुसन्धान संस्थान, पूसा
6. श्री राम उदेश राय
   एसएसएस, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, पूसा

संपादक - मंडल

संरक्षक:
डॉ. पी. एस. पाण्डेय
माननीय कुलपति

मुख्य संपादक:
डॉ. उमाकांत बेहेरा

संकलन एवं संपादन:
डॉ. राकेश मणि शर्मा
डॉ. रवीश चन्द्रा
डॉ. सत्य प्रकाश
डॉ. के. एल. भूटिया
डॉ. आशीष कुमार पंडा
डॉ. मीनाक्षी द्विवेदी
डॉ. कुमार राज्यवर्धन
श्री गुप्तनाथ त्रिवेदी

संपादकीय सहयोग:
श्री मनीष कुमार

प्रकाशक:
प्रकाशन प्रभाग
डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर–848125, बिहार
E-mail : publicationdivision@rpcau.ac.in, Visit us at : www.rpcau.ac.in